

वज्रपात

झारखण्ड में वज्रपात से प्रति वर्ष कई लोग मरते या घायल होते हैं। वज्रपात के दौरान निम्नलिखित सावधानियाँ रखें :-

अगर आप बाहर हों

- अगर बिजली चमकने के 10 सेकेण्ड के बाद गर्जन सुनाई देती है तो इसका मतलब है कि वह आपसे 3 कि०मी० दूर है। अतः तुरंत ही सुरक्षित आश्रय ढूँढ़ें। गर्जन और बिजली चमकने के बीच में जितना कम समय हो उतना ही ज्यादा वह पास में होती है।

अगर आप घर के अंदर हों :

- आंधी आने के पहले टीवी, रेडियो और कंप्यूटर सभी का मोडेम और पॉवर प्लग निकाल दें।
- सारे पर्दे लगा दें। खिड़कियां बंद रखें। बिजली से चलने वाली वस्तुओं का इस्तेमाल ना करें।
- टेलीफोन का इस्तेमाल ना करें। आपातकाल में फोन करें पर विद्युत चालक वस्तुओं को ना छुएं।
- खाली पैर फर्श या जमीन पर ना खड़े रहें।

प्राथमिक उपचार :

- तुरंत हृदय के पास मालिश करें और मुंह द्वारा पुनरुज्जीवन क्रिया करें। ऐसा तब तक करते रहें जब तक कि कोई मदद ना पहुंचे।

तुरंत कार्यवाही करें :

- बिजली-मिस्त्री से सलाह मशिवरा कर के घर में तड़ित-चालक लगवाएं।

आपदा प्रबंधन के प्रति जन जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकार, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड सरकार एवं यू.एन.डी.पी. के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न आपदाओं से बचाव हेतु मॉक ड्रिल का भव्य प्रदर्शन किया जा रहा है। संभावित आपदाओं से निपटने के लिये तैयारी हेतु नियमित मॉक ड्रिलों का आयोजन आवश्यक है। आप भी समय-समय पर अपने शहर, मुहल्ले, स्कूल एवं हाट बाजारों में मॉक ड्रिल का आयोजन करें ताकि आपदा प्रबंधन आपकी दिनचर्या का अभिन्न अंग बन सके। मॉक ड्रिल के आयोजन हेतु आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड सरकार से सम्पर्क करें। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अनुसार विभिन्न सैनिक तथा अर्ध सैनिक बलों, एन.एस.एस., गृह विभाग, अग्निशमन विभाग तथा संबंधित गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से मॉक ड्रिलों का आयोजन कराया जा सकता है।



महत्त्वपूर्ण टेलीफोन नं०

State Fire Brigade Officer 0651-2491668 (O)
0651-2490401(R)
9431104440

TOLL FREE EMERGENCY NO.

Fire Brigade 101
Police Control Room 100
Disaster Management Control Room 1077

Fire Station, Adre House 0651-2283825
Fire Station, Doranda 0651- 2490706
Fire Station, Dhurwa 0651-2409343
Fire Station, Piska More 0651-2511214

RIMS Blood Bank 0651-2541533
Birsra Blood Bank 0651-2542437
0651-2541228

AMBULANCE SERVICE

RIMS, Bariatu 0651-2541533
0651-2541228
Nagarmal Modi Seva Sadan, Lake Rd. 0651-2207406
Sadar Hospital, Main Road 0651-2312618
Apollo Hospital 0651-2276041
Indian Red Cross Society 0651-2360587
Civil Surgeon Office 0651-2302102

Ranchi District Administration

Deputy Commissioner 0651-2208151
0651-2360105
0651-2360120 (Fax)
Sr. Superintendent of Police 0651-2200237
0651-2360192
0651-2361127 (Fax)
City Superintendent of Police 0651-2200898

Ranchi Municipal Corporation

Mayor 0651-2204736
0651-2253144
9431115814

CEO 0651-2203469
0651-2332033
0651-2211777 (Fax)



श्री अर्जुन मुण्डा
मुख्यमंत्री, झारखण्ड



श्री गोपाल कृष्ण पातर
विभागीय मंत्री



भूकम्प, अग्निकांड एवं वज्रपात की स्थिति में क्या करें क्या न करें



आपदा प्रबंधन विभाग
झारखण्ड सरकार

सुरक्षित झारखण्ड, सबल झारखण्ड - हैं तैयार हम ।

भूकम्प

भूकम्प क्या है?

पृथ्वी की सतह कई भागों में बंटी है, जिन्हें प्लेट्स कहा जाता है। साथ ही पृथ्वी उतनी ठोस एवं स्थिर भी नहीं है जितना हम समझते हैं। पृथ्वी के अन्दर का एक काफी बड़ा भाग थोड़ा तरल है एवं इसकी प्लेट्स इसी तरल भाग के ऊपर स्थित है। इसी कारणवश यह सतही प्लेट्स एक दूसरे के सापेक्ष गतिमान हैं। प्लेटों की इस गति के कारण पृथ्वी के कुछ क्षेत्रों में दबाव की स्थिति उत्पन्न होती है या फिर इन क्षेत्रों में पृथ्वी की सतह नीचे उर्जा संग्रहीत होती रहती है। जमीन के अन्दर वर्षों से जमा हो रही उर्जा संग्रहीत होती रहती है। जमीन के अन्दर वर्षों से जमा हो रही उर्जा के अचानक अवमुक्त होने के कारण पृथ्वी की सतह पर अनुभव किये जाने वाले कम्पन या झटके ही भूकम्प है। प्लेटों की गति के कारण जमीन के अन्दर भूखण्ड एवं चट्टान टूटते एवं खिसकते हैं, जिससे अवमुक्त होनेवाली उर्जा की हलचल ही वास्तव में भूकम्प का कारण है।

भूकम्प का पूर्वानुमान

अनेक वैज्ञानिक उपलब्धियों के बाद भी आज तक भूकम्प की सही भविष्यवाणी (कब? कहाँ? कितना बड़ा?) कर पाना संभव नहीं हो पाया है। भूकम्प से जुड़ी यह अनिश्चितता भूकम्प से होनेवाले विनाश के परिमाण को बढ़ा देती है। झारखण्ड के 2 जिले यथा – साहेबगंज एवं गोड्डा भूकम्प के प्रति संवेदनशील हैं एवं उन्हें जोन प्ट के रूप में चिन्हित किया गया है।

- आँकड़े बताते हैं कि विश्व भर में भूकम्प के कारण करोड़ों लोग मारे गये हैं, परन्तु वास्तव में भूकम्प किसी को नहीं मारता हैं। मारती हैं हमारे द्वारा बनाई गई कमजोर इमारतें जो भूकम्प के झटकों को झेल नहीं पाती हैं। यदि इमारतों को पर्याप्त रूप से मजबूत एवं भूकंपरोधी बनाया जाये तो भूकम्प अपने पर केवल कुछ कंपन ही महसूस होंगे पर कोई आपदा घटित नहीं होगी।
- भूकम्प के आने का कोई समय नियत नहीं किया जा सकता है, परन्तु अधिकांश भूकम्पों ने अपने आगमन के लिये रात को अथवा बहुत सुबह के समय को ही चुना है। भूकम्प वैज्ञानिकों के अनुसार 67 प्रतिशत भूकम्प रात के समय अथवा सुबह तड़के आये हैं। इसका सीधा अर्थ यह है कि भूकम्प के तुरन्त बाद किये जानेवाले राहत कार्य संभवतः अंधेरे में ही करने की तैयारी रखना आवश्यक है।

भूकम्प आने पर क्या करें ?

भूकम्प सोचने-समझने एवं प्रतिक्रिया करने के लिए बहुत ज्यादा समय नहीं देता है इसलिए आवश्यक हो जाता है कि हमें पता हो कि भूकम्प आने पर क्या किया जाना सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक है। निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखते हुये भूकम्प के समय की गयी उचित प्रतिक्रिया हमारे और हमारे प्रियजनों की सुरक्षा कि लिए निर्णायक सिद्ध हो सकता है : इसलिए हम सभी के द्वारा निम्नलिखित बिन्दुओं को आत्मसात किया जाना अत्यन्त आवश्यक है :

- जहाँ है वही रहें; संतुलित रहें। हड़बड़ी घातक हो सकती हैं।
- यदि घर के अन्दर हैं तो गिर सकने वाली भारी वस्तुओं से दूर रहें।
- खिड़कियों से दूर रहें; शीशे के टूटे टुकड़े क्षति पहुँचा सकते हैं।
- मजबूत मेज के नीचे छुपे या अन्दरूनी दीवार या स्तंभ के सहारे खड़े रहें।
- सिर पर लगी चोटें ज्यादा घातक होती हैं इसलिए चेहरे व सिर को हाथों की सुरक्षा प्रदान करें व कम्पन रुकने तक सिर को हाथों की सुरक्षा में रखें।
- अगर घर से बाहर हैं तो खुली जगह तलाशें। भवनों, पेड़ों, बिजली के खम्भों व तारों से दूर रहें।
- अगर वाहन में हैं तो रूके और अन्दर ही रहें।
- पुल, बिजली के तारों, भवनों, खाई और तीव्र ढाल वाली चट्टानों से दूर रहें।
- भूकम्प भूस्खलनों को जन्म दे सकता है, अतः सतर्क रहें।

भूकम्प सुरक्षा और हमारी तैयारी

भूकम्प से सुरक्षा के लिये तैयारी ही एकमात्र विकल्प है और यह तैयारी निश्चित ही हमारी और हमारे प्रियजनों की जान बचा सकती है।

- सुनिश्चित करें कि परिवार का प्रत्येक सदस्य जानता हैं कि भूकम्प के समय क्या करना हैं।
- घर के हर कमरे में सुरक्षित स्थान तय करें (दीवार के सहारे, दरवाजे की चौखट के नीचे, मेज के नीचे)। सुनिश्चित करें कि इन स्थानों पर किसी भारी वस्तु के गिरने से खतरा नहीं हैं (अलमारी, दीवार पर लटकता सामान)।
- भूकम्प में प्रतिक्रिया करने के लिये बहुत कम समय मिलता हैं इसलिए बचने और सिर बचाने का अभ्यास करें।
- घर के अन्दर खतरनाक सथानों को चिन्हित करें (खिड़की, शीशे, लटकते सामान व अलमारी के आस पास) और भूकम्प के समय स्वयं को इन स्थानों से दूर रखें।
- बाहर सुरक्षित स्थान तय करें। यह मकानों, पुलों, पेड़ों, बिजली के तारों व खम्भों से दूर होने चाहिए।
- घर छोड़ने के प्रत्येक मार्ग की सभी को जानकारी होनी चाहिए एवं इन रास्तों में किसी भी प्रकार का व्यवधान नहीं होना चाहिए।
- आपको व आपके परिवार के समस्त सदस्यों को प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी होनी चाहिए व कुछ जरूरी दवाईयाँ सदैव पास रखी जानी चाहिये।
- हो सकता है भूकम्प के समय परिवार के सभी सदस्य साथ न हो। बच्चे स्कूल में हो सकते हैं, महिलाएँ पानी, चारे के लिये जंगल में व पुरुष खेतों में। सभी को मालूम होना चाहिए कि भूकम्प के बाद कहाँ मिलना है।
- अपने निकट के प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र और फायर ब्रिगेड स्टेशन की सही स्थिति ज्ञात कर लें। इनके टेलीफोन नं. ज्ञात होने भर से कम नहीं चलेगा, क्योंकि भूकम्प के दौरान अक्सर ही टेलीफोन के खंभे गिर जाते है और तार टूट जाते हैं। इसी प्रकार मोबाइल फोन केन्द्रों के क्षतिग्रस्त होने की आशंका भी बनी रहती है।

भूकम्प के तुरंत बाद

- अपने घर की पानी, बिजली और गैर व्यवस्थाओं की जाँच कर लें, परन्तु चालू न करें। हो सकता है कि भूकम्प के दौरान पानी और गैस के पाइप तथा बिजली के तार क्षतिग्रस्त हो गए हों, इसलिए उनको एकदम चालू करने से दुर्घटना हो सकती है।
- यदि गैर की दुर्गंध आ रही हो तब गैर का मुख्य वॉल्व बंद कर दें और खिड़कियाँ खोल दें। साथ ही सब लोगों को मकान से बाहर निकला दें और उन्हें उस समय तक मकान में न घुसने दें, जब तक मकान को सुरक्षित घोषित नहीं कर दिया जाता।
- यदि पानी का मेन वॉल्व क्षतिग्रस्त है तो उसे बंद कर दें। इसी प्रकार बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट हो जाने पर मेन स्विच बंद कर दें।
- जो इमारत क्षतिग्रस्त हो गई हो या जिसमें बड़ी दरारें पड़ गई हों, उससे दूर रहें। भूकम्प के पश्च झटके उसे गिरा सकते है।
- अपना ट्रांजिस्टर/रेडियो चालू रखें। उसके माध्यम से आपको भूकम्प के पश्च झटकों के बारे में ताजा जानकारी मिल सकती है।

अग्निकांड

ऊँचे मकानों में लगी आग :

- बिना डरे शांति से मकान से बाहर निकल जाएं।
- लोगों को चिल्लाकर चेतावनी दें।
- मकान के बाहर सीढ़ियों पर से ही निकलें।
- गीले तौलिए को दरवाजे के नीचे लगाएं ताकि धुआं बाहर ही रहे।
- फोन नं0-101 पर दमकल विभाग को फोन करें और उन्हें अपना पूरा पता बताएं तथा 1070 पर आपदा कक्ष को सूचित कर उन्हें अपनी स्थिति से अवगत कराएं। फिर दमकल विभाग जैसा जैसा करने को कहे वैसा ही करें।
- शांत रहे और आग बुझाने वाले दल की प्रतीक्षा करें।

अगर मकान के अंदर आग लगी हो

- जमीन के नजदीक रहें ताकि धुआं ज्यादा प्रभावित न करें।

- दमकल विभाग का नंबर-101, पुलिस-100 व आपदा सूचना कक्ष-1070 एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं का नंबर टेलीफोन के पास चिपका कर रखें ताकि दुर्घटना के समय तुरंत फोन कर सकें तथा उन्हें अपनी स्थिति से अवगत करा सकें।
- अगर आपके घर में बाल्कनी है और उसके नीचे कोई आग नहीं लगी हो तो बाहर चले जाएं।
- अगर नीचे आग लगी हो तो खिड़की के करीब रहें पर उसे खोलें नहीं।
- अगर नीचे आग नहीं लगी हो तो खिड़की खोल दें तथा उसके करीब रहें।
- खिड़की के बाहर कोई चादर या तौलिया लटका दें ताकि बाहर लोगों को पता चलें सके कि आप वहां हैं और आपको मदद चाहिए।
- शांत रहें और आग बुझाने वाले दल का इंतजार करें।

सावधानियां – क्या करें :

- जब खाना बन रहा हो तो वहां कोई व्यस्क जरूर हों, बच्चों को अकेला ना छोड़े।
- खाना बनाते समय अपने बालों को बांध कर रखें और सिन्थेटिक कपड़े ना पहनें।
- ध्यान रखें कि चूल्हे के पास की खिड़की में लगे पर्दे पीछे पास की तरह कस कर बंधें हों, लौ ना उठे और ना उड़े।
- ध्यान रखें कि अगर लौ नहीं जले तो गैस का स्विच तुरंत बंद कर दें और खाना पकाना खत्म होने के तुरन्त बाद ही स्विच बंद कर दें।
- हैंडल को स्टोव के बीचोबीच ना घुमाएं और इसे बच्चों से दूर रखें।
- ध्यान रखें कि फर्श हमेशा सूखी रहे। अन्यथा आग लगने के समय आप गीले फर्श के कारण गिर सकते हैं।
- माचिस बच्चों की पहुँच से दूर रखें।

सावधानियां – क्या न करें :

- तौलिये या बर्तन साफ करने वाले कपड़ों को स्टोव के आस-पास ना रखें।
- खाना बनाते समय ढीले-ढाले कपड़े या पहने और जब गैस जल रही हो तो गैस के उपर रखे सामान को न उतारें।
- स्टोव या गैस के उपर तख्ता शेल्व पर कोई सामान ना रखें। बेहतर होगा चूल्हे के उपर कोई तख्ता ही न लगाएं। वरना छोटे बच्चे सामान लेते वक्त गैस पर गिर सकते हैं और आग लग सकती है।
- स्प्रे कैन या ज्वलनशील सामग्री वाला डिब्बा स्टोव के पास कतई न रखें।
- बच्चों को खुले अवन के पास न जाने दें।
- स्टोव के उपर न झुकें।
- तौलिए या कपड़े का इस्तेमाल सावधानी से गर्म बर्तन उतारने के लिए करें।
- बिजली के एक ही प्वाइण्ट पर कई स्विच या एक्सटेंशन न लगाएं। तार पर अधिक भार पड़ने के कारण आग लग सकती है।
- तैलीय पदार्थ से लगी आग पर पानी न डालें या सिर्फ बेकिंग सोडा, नमक डालें या उसे ढक दें। हमेशा बेकिंग सोडा का डब्बा स्टोव के पास रखें।
- रेडियो, मिक्सी, आदि बिजली से चलने वाली वस्तुओं को बेसिन के पास न रखें।

सुझाव :

- दमकल विभाग का नंबर फोन के पास रखें और ध्यान रखें कि घर के सभी सदस्यों को नंबर का पता हो।
- माचिस या लाइटर बच्चों से दूर रखें।
- अपने कमरे का दरवाजा बंद करके सोएं ताकि आग फैलना धीमा किया जा सके।
- अगर आपके कपड़ों में आग लगी हो तो कभी भी ना दौड़े। रूकें – नीचे लेट जाएं जमीन पर रोल कर आग बुझाने की कोशिश करें।
- गांव स्तर पर झोपड़ियों के बीच दूरी रखें।
- निकासी के रास्ते साफ रखें।
- जानवरों के बाड़ों में धुँआ न करें।
- खाना पकाने के पश्चात् आग पूरी तरह बुझायें।
- आग वाली जगहों पर बालू तथा मिट्टी के बोरे रखें।
- प्राथमिक चिकित्सा बाक्स प्रत्येक घर में रखें।
- तालाब, गड्ढों के पानी का दुरुपयोग न करें।

सुरक्षित झारखण्ड, सबल झारखण्ड – हैं तैयार हम ।